मोतीलाल नेहरू सांध्य महाविद्यालय
(दिल्ली विश्वविद्यालय)

वार्षिक विवरणिका
सत्र – 2012–2013

मंच पर विराजमान आदरणीय मुख्य अतिथि श्री रवि कालरा, समारोह के अध्यक्ष माननीय श्री राकेश भान (गवर्निंग बॉडी अध्यक्ष), स्टॉफ काउंसिल सचिव श्री दिनेश वार्ष्णेय और मंच के सम्मुख बैठे सहयोगी प्रज्ञावान शिक्षकगण, कर्मठ–कुशल कर्मचारी बंधुओं, प्रिय छात्र एवं छात्राओं –

मैं इस वार्षिकोत्सव के अवसर पर आपका हार्दिक अभिनंदन करता हूँ।

आपको यह जानकर अपार हर्ष होगा कि महान् विभूति प्रख्यात कानूनविद् एवं स्वाधीनता सेनानी के नाम पर सन् 1965 में स्थापित यह मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय प्रारंभ में हस्तिनापुर कॉलेज के नाम से जाना जाता था। पं0 मोतीलाल नेहरू सन् 1919 एवं 1920 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष चुने गए। उन्होंने 1923 में देशबंधु चितरंजन दास के साथ मिलकर 'स्वराज पार्टी' की स्थापना भी की। आज भी इलाहाबाद का उनका आनंद भवन स्वाधीनता आंदोलन की अमर गाथा को अपने भीतर संजोये हुए है, एवं सम्पूर्ण भारतवासियों के लिए एक प्रेरणापुंज भी है। मोतीलाल नेहरू भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं0 जवाहर लाल नेहरू के पिता एवं भारत की प्रथम महिला प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी के दादा थे। वे भारत के प्रथम युवा प्रधानमंत्री श्री राजीव गांधी के नाना थे। मोतीलाल नेहरू घराना की राजनैतिक विरासत आज भी राष्ट्र–सेवा में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

हमें इस तथ्य का उल्लेख करते हुए गर्व का अनुभव हो रहा है कि इस कॉलेज के संस्थापक प्राचार्य, विख्यात शिक्षाविद् डॉ0 आर.के. भान थे। आने वाले वर्षों में डॉ0 शंकरदेव शर्मा 'अवतरे', डॉ0 सुरेश चन्द शर्मा जैसे साहित्यप्रेमी एवं प्रशासनिक दक्षता वाले व्यक्तियों

ने कॉलेज के प्राचार्य पदभार का दायित्व संभाला। इसके उपरांत डॉ0 बी.के. शर्मा ने दो वर्ष तक कॉलेज के कार्यवाहक प्राचार्य के रूप में दायित्व का निर्वाह किया।

आज के वार्षिकोत्सव के अवसर पर हमारे मुख्य अतिथि ऐसे व्यक्ति हैं जिनके औपचारिक परिचय की आवश्यकता नहीं है तथापि इस औपचारिकता को निभाने में मैं गौरव का अनुभव करता हूँ।

आज के समारोह के मुख्य अतिथि श्री रवि कालरा जी प्रसिद्ध समाजसेवी, कर्मयोगी एवं पर्यावरणविद् हैं जिनका परिचय प्रस्तुत करते हुए मुझे सुखद अनुभूति हो रही है।

दिल्ली के एक मध्यमवर्गीय परिवार में जन्मे कालरा जी उन कतिपय हस्तियों में से एक हैं जिन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन जन–कल्याण तथा पर्यावरण के संरक्षण के लिए समर्पित किया है। वर्ष 2008 में आपने 'The Earth Saviours Foundation' नामक NGO का गठन किया जिसके तहत दीन–हीन, विकलांग, आहत, निराश्रय एवं निःसहाय लोगों की मदद के लिए वृद्धाश्रम, पुनर्वास केन्द्र, अनाथालय आदि की स्थापना की। वर्ष 2012 में आपको मानवता की सर्वोच्च सेवा के लिए सरदार वल्लभ भाई पटेल अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

पर्यावरण की रक्षा के लिए आप निरन्तर कार्यरत हैं और भारतीय वन सम्पदा को बचाने के लिए आप निरन्तर कार्यरत हैं और भारतीय वन सम्पदा को बचाने के लिए Hon'ble Supreme Court में दायर एक जनहित याचिका के माध्यम से संघर्ष भी कर रहे हैं। पर्यावरण को ध्वनि–प्रदूषण से बचाने के लिए भी आपने सराहनीय कार्य किया है जिसके लिए आपको 'No Honking Man of India' के नाम से भी जाना जाता है। यही

नहीं, आपने Taekwondo Martial Arts में Fourth level का विशिष्ट Don Black Belt हासिल किया है। आप Indian Amateur Taekwondo Federation के अध्यक्ष हैं और अन्तर्राष्ट्रीय प्रशिक्षक हैं। आपने सेना की विभिन्न बटालियनों में तैनात सैनिकों को कमांडो ट्रेनिंग दी है और इसी उपक्रम में आपने लगभग चालीस देशों का भ्रमण किया है।

इसके अतिरिक्त आप रोटरी क्लब से जुड़े हैं। वर्ष 2011 में आपने Rotary Club, Delhi Ridge के सेक्रेटरी के रूप में कार्य किया और सम्प्रति वर्ष 2013–14 के लिए आप इसके मनोनीत अध्यक्ष हैं। अपने जीवन काल में तो आप निरन्तर जन सेवा में अथक एवं निःस्वार्थ रूप से संलग्न हैं ही, जीवन के उपरान्त भी परोपकार चलता रहे इसके लिए आपने अपने नेत्र, गुर्दे व अन्य आवश्यक अंग दान करने का संकल्प लिया है। आपका व्यक्तित्व एवं कृतित्व निःसंदेह प्रेरणादायक व अनुकरणीय है।

इस उत्सव की अध्यक्षता कॉलेज की गवर्निंग बॉडी के चेयरमैन श्री राकेश भान कर रहे हैं। आपका औपचारिक परिचय देने से पहले मैं यह बताना चाहता हूँ कि हमारे लिए अत्यंत गर्व और प्रसन्नता का विषय है कि आपके दादा जी डॉ0 आर.के. भान इस कॉलेज के संस्थापक प्राचार्य थे। आपने लॉरेंस स्कूल, स्नावर, हिमाचल प्रदेश से अपनी स्कूली शिक्षा सम्पन्न करने के बाद आई.आई.टी. कानपुर से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बी.टेक. की उपाधि प्राप्त की। उसके बाद आपने अमेरिका के मैरीलैंड विश्वविद्यालय से एम.बी.ए. की उपाधि प्राप्त करने के बाद वाशिंगटन में स्थित *वर्ल्ड बैंक* में कार्य करना आरंभ किया। वहाँ पर आपने लगभग 20 वर्षों तक कार्य किया। वर्ल्ड बैंक में कार्य करते हुए ही आपने जार्जटाउन विश्वविद्यालय से कानून की शिक्षा प्राप्त की। आपने चार्टर्ड अकाउंटेंट के समकक्ष सी.एफ.ए. (CFA) एवं सी.पी.ए. (CPA) की उपाधियाँ भी प्राप्त की हैं।

वर्ल्ड बैंक में कार्य करने के दौरान आपने 'इन्डस्ट्रियल प्रोजेक्ट्स डिपार्टमैंट', 'फाइनेंसियल पॉलिसी एवं रिसॉर्स मोबिलाइजेशन डिपार्टमेंट' के साथ–साथ 'सैंट्रल यूरोप डिपार्टमैंट' में कार्य किया। आपने एशिया, अफ्रीका, लैटिन अमेरिका, यूरोप और मध्य पूर्व की अनेक परियोजनाओं के दायित्व को संभाला।

भारत वापस आने के बाद आपने छत्तीसगढ़ राज्य के विकास परिषद् के सलाहकार के रूप में केबिनेट मंत्री के दायित्व का निर्वाह किया। आपने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी से सम्बद्ध अनुसूचित जाति एवं जनजाति समिति के सलाहकार के रूप में भी कार्य किया।

आपकी शिक्षा नीति में गहरी दिलचस्पी रही है। आपने इसी अभिरूचि के कारण दिल्ली विश्वविद्यालय के कई कॉलेजों की गवर्निंग बॉडी के चेयरमैन के रूप में कार्य किया। इस संदर्भ में मैं उल्लेख करना चाहूँगा कि इससे पूर्व आप मोतीलाल नेहरू कॉलेज एवं श्री अरविंदो कॉलेज की गवर्निंग बॉडी के चेयरमैन रहे हैं। आप आई.आई.टी. कानपुर की संचालन समिति में पदेन सदस्य कार्यरत हैं।

आपको यह जानकर अति प्रसन्नता होगी कि श्री राकेश भान जी की अकादमिक गतिविधियों के अतिरिक्त एवियेशन क्षेत्र में भी गहरी अभिरुचि है। आपके पास व्यावसायिक पायलट का लाइसेंस भी है, साथ ही आप प्रशिक्षित उड़ान निर्देशक (Qualified Flight Instructor) भी हैं। आपकी पत्नी डॉ0 अंजना भान मैक्स अस्पताल में एंडोक्रोनोलॉजिस्ट विभाग में चिकित्सक के रूप में कार्यरत हैं।

कॉलेज की गवर्निंग बॉडी

इस सत्र की गवर्निंग बॉडी के अध्यक्ष श्री राकेश भान हैं। प्रो0 अनिल ग्रोवर (डिपार्टमेंट ऑफ प्लांट मोलेक्युलर बॉयोलॉजी, दिल्ली विश्वविद्यालय दक्षिण परिसर) एवं प्रोफेसर वी.के. चौधरी (प्रो0 बायोकेमेस्ट्री विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय) विश्वविद्यालय प्रतिनिधि हैं। डॉ0 मंजू अग्रवाल (कार्यवाहक प्राचार्य) सदस्य सचिव हैं। अन्य सदस्यों में सर्वश्री डॉ. एस.के. शर्मा (कार्यवाहक प्राचार्य, सांध्य कॉलेज), सांध्य कॉलेज शिक्षक प्रतिनिधि के रूप में श्रीमती उमा चौधरी एवं डॉ0 श्रीमती रीता कक्कड़ हैं। प्रातः कॉलेज के शिक्षक प्रतिनिधि के रूप में डॉ0 जे.एम. गुप्ता एवं डॉ0 अनिल कुमार हैं। श्री राकेश भान की अध्यक्षता में यह गवर्निंग बॉडी जहां एक ओर कॉलेज की शैक्षिक एवं प्रशासनिक गतिविधियों के मार्गदर्शक के रूप में है वहीं दूसरी ओर कॉलेज की विभिन्न समस्याओं के निदान की दिशा में निरंतर प्रयासरत है।

कॉलेज भवन

आज कॉलेज के पास दस एकड़ भूखण्ड पर बना अपना भवन तो है परन्तु अभी भी अपूर्ण और अपर्याप्त है। अध्यापन कक्ष, सभागार भवन का निर्माण होना अभी शेष है। सांध्य कॉलेज सांय साढ़े तीन बजे आरंभ होकर रात नौ बजे तक चलता है, इससे हमारी प्राध्यापिकाओं और छात्राओं को विशेष रूप से कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। परिस्थितिजन्य इस कठिनाई के निराकरण के लिए हम सभी निरंतर प्रयत्नशील हैं।

आपको यह जानकर हर्ष होगा कि हमारे कॉलेज की कम्प्यूटर लैब बनकर तैयार है। नए सत्र में आप सब इसका उपयोग कर सकेंगे। कम्प्यूटर लैब के निर्माण कार्य के लिए जो समिति कार्य कर रही है उसके संयोजक कॉमर्स विभाग के श्री रजनीश क्लेर हैं।

पुस्तकालय

हमारे कॉलेज का पुस्तकालय बहुत समृद्ध होने के साथ–साथ पूर्णतः वातानुकूलित है। इसमें लगभग 67 हजार पुस्तकों का अनूठा संग्रह है। लगभग 40 देशी और विदेशी पत्र–पत्रिकाएँ उपलब्ध हैं। इसी क्रम में हमारा इलैक्ट्रोनिक रिसोर्स सैंटर भी पूर्णतः वातानुकूलित है और अत्याधुनिक कम्प्यूटर सिस्टम एवं सॉफ्टवेयर से सुसज्जित है। रिसोर्स सैंटर में प्राध्यापकों के लिए अलग से एक कक्ष की व्यवस्था है। पुस्तकालय का संचालन कार्यवाहक लाइब्रेरियन श्री राधेश्याम जोशी की देखरेख एवं पुस्तकालय समिति के परामर्श द्वारा होता है। डॉ0 बृज किशोर, हिंदी विभाग, पुस्तकालय परामर्श समिति के संयोजक हैं।

यद्यपि आज विद्यार्थियों की संख्या में वृद्धि हुई है परन्तु पुस्तकालय स्टॉफ की संख्या सन् 1980 में जो थी आज भी वही है। इस संदर्भ में मुझे यह सूचित करते हुए अपार खुशी हो रही है कि पर्याप्त स्टाफ न होने पर भी पुस्तकालय सेवाएँ एक भी दिन के लिए बाधित नहीं हुई।

प्रशासनिक विभाग

वर्ष 2011–2012 से सेमेस्टर सिस्टम के लागू होने से पिछले वर्षों की अपेक्षा कर्मचारियों का कार्यभार कई गुना बढ़ गया है। स्टाफ की कमी के बावजूद कर्मचारी इस चुनौती का सामना कुशलतापूर्वक कर रहे हैं। इसके लिए मैं प्रशासनिक अधिकारी श्री राजेश हांडू, सेक्शन ऑफिसर श्री देशराज चावला और सभी कर्मचारियों का उनके सहयोग के लिए आभार प्रकट करता हूँ।

अध्यापक संकाय

यह कॉलेज का सौभाग्य है कि इसमें विशिष्ट योग्यताओं से विभूषित अनेक ऐसे प्राध्यापक हैं जो M.A., M.Phil. कक्षाओं के अध्यापन और शोध–निर्देशन के लिए पूर्ण योग्य और सक्षम हैं। कॉलेज में कुल 74 अध्यापक हैं जिनमें 32 अध्यापक पीएच.डी. हैं तथा कुछ शोधरत भी हैं। अध्यापकों के लेख प्रतिष्ठित पत्र–पत्रिकाओं में प्रायः छपते रहते हैं। यही नहीं, पिछले कई वर्षों से इतिहास विभाग के ही श्री दिनेश वार्ष्णेय अध्यापन कार्य के साथ–साथ विश्वविद्यालय स्तर पर डिप्टी डीन, स्टुडेंट वैलफेयर, दक्षिण परिसर के पद पर रहकर छात्रों की समस्याओं के निदान में सतत् अपनी भूमिका का प्रभावी ढंग से निर्वाह कर रहे हैं।

अंग्रेजी विभाग के डॉ0 राजेश कुमार ने एक International Journal 'Literaria' के विशेषांक 'Literatures of Margins' का संपादन किया। 17 अप्रैल 2013 को ज्ञानदर्शन चैनल पर प्रसारित EDUSAT Discussion Lecture में भाग लिया। Marginal, Dalit और Aboriginal Identity आदि विषयों पर इनके कई लेख विभिन्न पत्रिकाओं में छपे हैं। इन्होंने फरवरी 2013 में दयाल सिंह कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय और IGNOU में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार में अपने लेख प्रस्तुत किए।

डॉ0 हेमा दहिया ने अगस्त 2012 में वर्धमान ओपन यूनिवर्सिटी, कोटा में 'Shakespeare's Cleopatra : Historical or Romantic' विषयक अपना लेख प्रस्तुत किया। शेक्सपीयर एसोसिएशन द्वारा प्रकाशत पुस्तक में Subalters in Shakespeare : A Post Colonial Review' नामक इनका लेख छपा।

डॉ0 प्रदीप शरण ने TEFSOL, India द्वारा गुड़गाँव में आयोजित Tenth India TEFL International Conference में 'In Service and Pre-Service Training of Teachers of English in India – A Challenge' विषय पर अपना लेख प्रस्तुत किया।

हिन्दी विभाग के डॉ0 विद्याशंकर सिंह अन्तर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका 'अनुकृति' वर्ष 2012 से परामर्शदाता हैं। इन्होंने दिनांक 8–9 फरवरी, 2013 को बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'बदलते सामाजिक परिवेश में महिला सशक्तिकरण' विषय पर अपना आलेख प्रस्तुत किया।

इसी विभाग के डॉ0 बृजकिशोर ने केन्द्रीय हिंदी निदेशालय, मानव संसाधन मंत्रालय के द्वारा अहिंदी भाषी क्षेत्रों में हिंदी भाषा के प्रचार–प्रसार के लिए आइजोल (मिज़ोरम) में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'हिंदी आत्मकथा' विषय पर अपना आलेख प्रस्तुत किया।

हिंदी विभाग के ही डॉ0 अश्वनी कुमार ने दिनांक 11–12 जनवरी, 2013 को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की ओर से के.एम. अग्रवाल महाविद्यालय, मुंबई में आयोजित दो दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय परिसंवाद के अवसर पर 'वेब मीडिया और हिंदी दलित साहित्य' विषय पर अपना आलेख प्रस्तुत किया। इन्होंने दिनांक 18–19 फरवरी, 2013 को दयाल सिंह कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'दलित साहित्य के विकास में 'दलित वार्षिकी और अपेक्षा' पत्रिका का योगदान' विषय पर आलेख प्रस्तुत किया।

इन्होंने ही दिनांक 22–23 मार्च, 2013 को सत्यवती कॉलेज (सांध्य) की ओर से आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'हिंदी में दलित साहित्य की दस्तक और डॉ0 अम्बेडकर' विषय पर आलेख प्रस्तुत किया।

डॉ0 विद्याशंकर सिंह एवं डॉ0 बृजकिशोर, हिंदी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध शोध छात्रों का पीएच.डी. उपाधि हेतु निर्देशन का कार्य भी कर रहे हैं।

डॉ0 जी.एन. त्रिवेदी, राजनीति विज्ञान विभाग ने 28–29 फरवरी, 2013 को श्यामलाल कॉलेज (सांध्य), दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'गाँधीजम एवं नॉन वॉएलेंट एक्टिविज़्म' पर एक आलेख प्रस्तुत किया। इन्होंने दिनांक 15–16 मार्च, 2013 को वडोदरा में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'इंडियन डेमोक्रेसी इन क्राइसिसः द माओइस्ट चैलेंज' विषय पर अपना शोध–आलेख प्रस्तुत किया।

स्टाफ काउंसिल

प्रोफेसर दिनेश वार्ष्णेय स्टॉफ काउंसिल के सचिव हैं। काउंसिल की बैठकें प्रायः होती रहती हैं जिनमें संस्था के शैक्षणिक स्तर और अनुशासन को बेहतर बनाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेष रूप से विचार–विमर्श होता है तथा पारित प्रस्तावों और सुझावों को कार्यान्वित किया जाता है। श्री वार्ष्णेय ने इस सत्र में मुझे जो सहयोग दिया है, उसके लिए मैं उन्हें हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ।

कॉलेज में प्राध्यापकों, कर्मचारियों के कल्याण–कार्यों में रूचि लेने वाली एसोसिएशन और यूनियन आदि का गठन भी प्रति वर्ष की भाँति ही हुआ है।

स्टॉफ एसोसिएशन :	अध्यक्ष	–	डॉ0 एम.एस. राठी
	सचिव	–	डॉ0 प्रहलाद बैरवा
कर्मचारी एसोसिएशन :	अध्यक्ष	–	श्री राधेश्याम जोशी
	सचिव	–	श्री राजेश हांडू

छात्रसंघ

आज का छात्र जहाँ अपने अधिकार की माँग करता है वहीं वह अपने कर्तव्य के प्रति भी पूर्ण रूप से सजग है जिसके कारण छात्र संघ के पदाधिकारियों ने छात्रों की समस्याओं के समाधान में निरन्तर अपनी तत्परता दिखाई। इसके लिए मैं छात्रसंघ के पदाधिकारियों को बधाई देता हूँ। छात्रसंघ के सलाहकार डॉ0 एम.एस. राठी के प्रति मैं हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ, जिन्होंने प्रशासन और छात्रसंघ के बीच सेतु का कार्य किया और सभी समस्याओं के निराकरण में मेरी निरंतर सहायता की।

वर्तमान छात्रसंघ के पदाधिकारी निम्नलिखित हैंः–

अध्यक्ष	:	गौतम कुमार
उपाध्यक्ष	:	उमा देवी
सचिव	:	नितिन यादव
संयुक्त सचिव	:	विक्रम सिंह
सेंट्रल काऊंसलर	:	नीरज कांत एवं प्रवीण कुमार

कॉलेज के छात्रसंघ के तत्वावधान में दिनांक 6–7–8 मार्च, 2013 को सांस्कृतिक उत्सव का सफल आयोजन हुआ। इस अवसर पर विभिन्न कॉलेजों के छात्र–छात्राओं द्वारा भव्य रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। इस कार्यक्रम की सबसे बड़ी सफलता यह थी कि इसकी सभी प्रस्तुतियाँ और प्रबंधन विद्यार्थियों तथा छात्र–संघ के पदाधिकारियों के

सामूहिक प्रयत्न का प्रतिफल था। छात्र संघ के परामर्शदाता डॉ0 एम.एस. राठी एवं सदस्य श्री प्रभात चौधरी, श्री काना राम मीणा की निष्ठा और परिश्रम से यह सांस्कृतिक कार्यक्रम अत्यंत सफल, प्रभावी और आकर्षक रहा।

इसी क्रम में मैं यह भी उल्लेख कर रहा हूँ कि दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों की ओर से जो सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए उसमें हमारे कॉलेज के विद्यार्थी टीका (बी.ए. प्रोग्राम प्रथम वर्ष) ने भारती कॉलेज में आयोजित शास्त्रीय नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम स्थान तथा रामलाल आनंद कॉलेज में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। नुक्कड़ नाटक के द्वारा कॉलेज के विद्यार्थियों ने आसपास के क्षेत्रों में जाकर लोगों को सामाजिक समस्याओं के प्रति जागरूक किया।

अध्ययनरत विद्यार्थी एवं परीक्षा परिणाम

हमारे महाविद्यालय में वर्ष 2012–2013 के सत्र में 1659 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। छात्रों की संख्या 1248 है तथा छात्राओं की संख्या 411 है।

यह हम सभी के लिए प्रसन्नता का विषय है कि हमारा शैक्षणिक स्तर दिनों–दिन श्रेष्ठ से श्रेष्ठतर हुआ है। इसका उल्लेख करते हुए मुझे सुखद अनुभूति हो रही है। पिछले वर्ष हमारा परीक्षा परिणाम बहुत अच्छा रहा है। मैं क्रमशः परीक्षा परिणाम का उल्लेख कर रहा हूँ।

बी.कॉम. ऑनर्स तृतीय वर्ष	–	100 प्रतिशत
हिन्दी ऑनर्स द्वितीय वर्ष	–	95 प्रतिशत
बी.कॉम. प्रोग्राम द्वितीय वर्ष	–	95 प्रतिशत

बी.कॉम. प्रोग्राम द्वितीय वर्ष	–	95 प्रतिशत
बी.कॉम. ऑनर्स द्वितीय वर्ष	–	94 प्रतिशत
राजनीति विज्ञान ऑनर्स द्वितीय वर्ष	–	90 प्रतिशत
बी.कॉम. प्रोग्राम प्रथम वर्ष	–	87 प्रतिशत
हिन्दी ऑनर्स तृतीय वर्ष	–	65 प्रतिशत
बी.ए. प्रोग्राम द्वितीय वर्ष	–	78 प्रतिशत
राजनीति विज्ञान ऑनर्स तृतीय वर्ष	–	73 प्रतिशत
बी.कॉम. ऑनर्स प्रथम वर्ष	–	77 प्रतिशत
राजनीति विज्ञान प्रथम वर्ष	–	63 प्रतिशत
बी.ए. प्रोग्राम प्रथम वर्ष	–	61 प्रतिशत
अंग्रेजी ऑनर्स तृतीय वर्ष	–	73 प्रतिशत
अंग्रेजी ऑनर्स द्वितीय वर्ष	–	83 प्रतिशत
इतिहास ऑनर्स तृतीय वर्ष	–	64 प्रतिशत
अंग्रेजी ऑनर्स प्रथम वर्ष	–	63 प्रतिशत
हिंदी ऑनर्स प्रथम वर्ष	–	71 प्रतिशत
इतिहास ऑनर्स प्रथम वर्ष	–	71 प्रतिशत
इतिहास ऑनर्स द्वितीय वर्ष	–	53 प्रतिशत

सांस्कृतिक–अकादमिक गतिविधियाँ

यह सूचित करते हुए हर्ष हो रहा है कि कॉलेज में वर्ष भर शैक्षिक व्याख्यान व सांस्कृतिक गतिविधियाँ निरंतर चलती रही हैं। इनका श्रेय यहाँ के प्राध्यापकों और विद्यार्थियों को जाता है।

हिन्दी साहित्य परिषद्, हिन्दी विभाग की ओर से व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया। 11 अप्रैल, 2013 को 'कवि और नाटककार जयशंकर प्रसाद' विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में डॉ0 सुरेन्द्रनाथ सिंह, पूर्व अध्यक्ष, हिंदी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने अपना सारगर्भित व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 प्रेमलता शर्मा (संयोजक, हिंदी साहित्य परिषद्) ने किया।

कॉलेज पत्रिका

''अस्मिता'' कॉलेज की पत्रिका है जो नियमित रूप से प्रतिवर्ष प्रकाशित होती है। इसमें पूरे वर्ष की कॉलेज में होने वाली विभिन्न गतिविधियों का सचित्र विवरण तो होता ही है, साथ ही यह पत्रिका छात्र–छात्राओं को उनकी रचनात्मक प्रतिभा की अभिव्यक्ति के लिए एक मंच भी प्रदान करती है। ''अस्मिता'' की एक विशेषता यह भी है कि इसमें कॉलेज के प्राध्यापकों–कर्मचारियों की रचनाएँ भी छपती हैं। इस वर्ष इसके प्रकाशन की देख–रेख निम्नलिखित संपादक मंडल कर रहा है ––

प्रधान संपादक	:	श्री पिंटु कुमार (इतिहास विभाग)
सदस्य, संपादक मंडल	:	डॉ. (श्रीमती) प्रेमलता शर्मा (हिंदी विभाग)
सदस्य, संपादक मंडल	:	डॉ. बृज किशोर (हिंदी विभाग)
		डॉ. हेमा दहिया (अंग्रेजी विभाग)

खेल–कूद

फुटबाल

इस वर्ष खेल जगत में हमारे कॉलेज की उपलब्धियाँ विशिष्ट रही हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित अन्तर्महाविद्यालयी फुटबाल प्रतियोगिता में हमारा कॉलेज विजेता रहा है। इसके अलावा आई.आई.टी. कानपुर में आयोजित अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित फुटबाल प्रतियोगिता में हमारे कॉलेज को स्वर्ण पदक मिला है। उत्तराखंड क्लब की ओर से आयोजित अन्तर्महाविद्यालयी फुटबाल प्रतियोगिता में भी हमारा कॉलेज प्रथम स्थान पर रहा है। राष्ट्रीय छात्र संगठन (NSUI) की ओर से आयोजित राजीव गांधी स्पोर्ट्स मीट में हमारी फुटबाल विजेता रही है। बिट्स (BITS) गोवा की ओर से आयोजित स्प्री बीट (Spree Bits Goa) फुटबाल प्रतियोगिता में हमारा कॉलेज विजयी रहा।

इसके अलावा तरणसंघा क्लब की ओर से आयोजित एक दिवसीय फुटबाल प्रतियोगिता में हमारे कॉलेज को सर्वश्रेष्ठ होने का गौरव मिला।

हमारे निम्नलिखित खिलाड़ियों निखिल महाजन, सुमित रावत, उमेश, अमित शर्मा ने दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व अन्तर्विश्वविद्यालय फुटबाल प्रतियोगिता में किया।

इसके अलावा राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता संतोष ट्राफी फुटबाल प्रतियोगिता में निम्नलिखित खिलाड़ियों अभिषेक रावत, अंकित शर्मा, मोनू चौधरी, दीपक कुमार, शशांक ममगई, उमेश, चन्दन ने दिल्ली राज्य का प्रतिनिधित्व किया।

हॉकी

इस वर्ष हमारे कॉलेज की टीम का प्रदर्शन सराहनीय रहा। आई.आई.टी. कानपुर की ओर से आयोजित अखिल भारतीय हॉकी प्रतियोगिता में हमारी टीम द्वितीय स्थान पर रही। दिल्ली विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित हॉकी प्रतियोगिता में हमारा कॉलेज चैम्पियन रहा। यह हमारे कॉलेज के खेल जगत के इतिहास में पहली बार हुआ है।

हमारे कॉलेज को पहली बार नेहरू हॉकी सोसाइटी की ओर से आयोजित नेहरू हॉकी टूर्नामेंट (ग्वालियर) में शानदार प्रदर्शन करने का अवसर मिला।

इसके अलावा शाहजहांपुर (राजस्थान) में आयोजित अखिल भारतीय स्तर की श्रीयुक्त बाबा भगत जी स्मृति हॉकी प्रतियोगिता में भी प्रथम स्थान प्राप्ति का गौरव हमारी टीम को मिला है।

हॉकी के क्षेत्र में दिल्ली विश्वविद्यालय की ओर से अन्तर्विश्वविद्यालयी हॉकी प्रतियोगिता में हमारे कॉलेज की ओर से निम्नलिखित छात्रों निखिल चौधरी, तरूण कुमार, विजयवीर, मुकेश दलाल ने प्रतिनिधित्व किया है।

साथ ही मुझे यह भी सूचित करते हुए गर्व का अनुभव हो रहा है कि हमारे छात्र हरदीप सिंह पठानियाँ एवं बलराम दहिया ने लखनऊ में आयोजित जूनियर राष्ट्रीय हॉकी प्रतियोगिता में भाग लिया। इन्होंने बैंगलोर में आयोजित सीनियर राष्ट्रीय हॉकी चैम्पियनशिप में भी भाग लिया। हमारे लिए गौरव की बात है कि इस समय बलराम दहिया कलकत्ता हॉकी लीग के लिए खेल रहे हैं।

बॉक्सिंग

दिल्ली विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित अन्तर्महाविद्यालयी बॉक्सिंग प्रतियोगिता में हमारे छात्र कृष्ण एवं सोनू यादव ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया। टीम इवेंट में हमारी बॉक्सिंग टीम को दिल्ली विश्वविद्यालय में तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

ताइ–क्वांडो

दिल्ली विश्वविद्यालय की ताइक्वांडो प्रतियोगिता में मंदीप लाकड़ा को स्वर्ण पदक एवं तनुज कटोच को रजत पदक प्राप्त हुआ। साथ ही हमारे खिलाड़ी दीपक कुमार को भी कांस्य पदक मिला।

खेल दिवस

25 मार्च, 2013 को कॉलेज में खेल दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अर्जुन एवार्डी एवं राजीव गांधी खेल रत्न से सम्मानित भारतीय कबड्डी टीम के पूर्व कप्तान श्री दिनेश कुमार भारद्वाज मुख्य अतिथि थे।

अब मैं कॉलेज के खेल जगत की महत्वपूर्ण घोषणा करने जा रहा हूँ। मैं राष्ट्रीय स्तर के हॉकी खिलाड़ी बी.ए. प्रोग्राम, तृतीय वर्ष के छात्र 'मुकेश दलाल' को स्पोर्टसमैन ऑफ द ईयर घोषित करता हूँ। मुकेश ने राष्ट्रीय स्तर पर हमारे कॉलेज का नाम रोशन किया है।

मैं कॉलेज की खेल उपलब्धियों के लिए फिजिकल एजुकेशन में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ0 एम.एस. राठी को हार्दिक धन्यवाद देता हूँ, जिनके कुशल निर्देशन और परिश्रम से ही हमारे कॉलेज के प्रतियोगी खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर पर कीर्तिमान स्थापित किए हैं।

प्रस्तुत विवरण की परिसमाप्ति से पूर्व मैं अपने सभी सहकर्मी प्राध्यापकों, कर्मचारियों तथा विभिन्न समितियों के संयोजकों एवं सदस्यों के प्रति अपना आभार प्रकट करना चाहता हूँ जिनके सहयोग के अभाव में यह सब संभव नहीं था। डॉ0 विद्याशंकर सिंह और डॉ0 बृजकिशोर, हिन्दी विभाग तथा श्रीमती उमा चौधरी, अंग्रेजी विभाग विशेष आभार के पात्र हैं जिन्होंने वार्षिक विवरण बनाने में मेरा भरपूर सहयोग किया।

दिल्ली पुलिस के अधिकारी मेरे विशेष धन्यवाद के पात्र हैं जिन्होंने कानून व्यवस्था बनाए रखने में निरंतर सक्रियता के साथ अपने गहन दायित्व का निर्वाह किया।

छात्र–छात्राओं का उल्लेख इस दृष्टि से विशेष महत्वपूर्ण है जिन्होंने अनेक अभावों और कठिनाइयों के होते हुए भी न केवल अध्ययन के क्षेत्र में अपितु राष्ट्रीय स्तर के खेल–जगत में भी अपना स्थान बनाकर हमें गौरवान्वित किया है।

मैं श्री रवि कालरा, श्री राकेश भान के प्रति विशेष रूप से अनुगृहित हूँ जिन्होंने अपने व्यस्त कार्यक्रम से समय निकालकर हम सबको उपकृत कर इस संस्था को गौरव प्रदान किया। आज के उत्सव की सफलता के लिए मैं अपने सहयोगी प्राध्यापकों, कर्मचारियों तथा छात्र–छात्राओं को बधाई देता हूँ तथा उनके प्रति पुनः धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ।

दिनांक : 23 अप्रैल, 2013

डॉ. एस.के. शर्मा
कार्यवाहक प्राचार्य